21. हलीम चला चाँद पर

D1W3V7

हलीम ने एक दिन सोचा, आज मैं चाँद पर जाऊँगा।

वह रॉकेट के कारखाने में गया

और एक रॉकेट पर बैठकर चल दिया।

© NCERT not to be republished

चलते-चलते अँधेरा हो गया।
हलीम को डर लगने लगा।
उसको तो चाँद तक का
रास्ता पता नहीं था।

थोड़ी देर में उसने
चाँद देखा और
वह खुश हो गया।

चाँद पर हलीम को
खूब सारे गड्ढे दिखे
और बड़े-बड़े पहाड़
भी। लेकिन वहाँ
कोई पेड़ या
जानवर नहीं थे।
लोग भी नहीं।

हलीम ने सोचा – ये
भी कोई जगह है!

चलो वापिस घर चलें।
वह रॉकेट में बैठकर
घर लौट आया।

रास्ते में क्या देखा?

हलीम को रास्ते में क्या-क्या दिखा होगा?

....

....

....

....

कहाँ जाओगे?

हलीम चाँद पर जाना चाहता था। तुम कहाँ जाना चाहती हो? कैसे जाओगी?

कहाँ	कैसे

Copyright- SCERT, Assam not be republished

डर

हलीम को अँधेरे से डर लगता था।

तुम्हें कब-कब डर लगता है?

....

....

फिर तुम क्या करते हो?

....

....

चाँद और सूरज का चित्र बनाओ।

Copyright- SCERT, Assam
not be republished